निर्मल गंगा जन अभियान

निर्मल गंगा जन अभियान, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

सोचो ! समझो! और उचित करो!!

www.awgp.org

न करने योग्य :

- घर की कचरा युक्त पूजन सामग्री, बासी फूल गंगा में न डालें।
- तट पर पॉलीथीन का प्रयोग न करें।
- घाट पर नहाने एवं कपड़े धोने का साबुन प्रयोग न करें।
- गुटका एवं शेम्पू पाउच न फेंके।
- तटों और घाटों पर मल-मूत्र का त्याग न करें।
- प्लास्टर ऑफ पेरिस की बनी एवं जहरीले रंगों से रँगी प्रतिमाओं का विसर्जन गंगा में न करें।
- तटीय खेतों में रासायनिक खाद, कीटनाशक का प्रयोग न करें।
- मल-मूत्र युक्त पानी गंगा में प्रवाहित न होने दें।
- शहर का गंदा नाला एवं उद्योगों का गंदा-जहरीला पानी प्रवाहित होने से रोकें।
- प्लास्टिक के दोनों में दीप दान न करें।

करने योग्य :

- घर की पूजन सामग्री, बासी फूल एवं अन्य सामग्री की खाद बनाएँ।
- पॉलीथीन के स्थान पर कागज के बैग उपयोग करें।
- मल-मूत्र हेतु शौचालयों का प्रयोग करें।
- पर्यावरण अनुकूल मूर्तियों की ही स्थापना करें।
- रासायनिक खाद, कीट नाशक के स्थान पर गोबर, केंचुआ खाद एवं गौमूत्र से बने कीटनाशक का प्रयोग करें।
- गंदे पानी के सोक पिट (सोख्ता गड्ढा) बनाएँ।
- अच्छा हो आटे के दिये बनाकर घाट पर ही दीपदान करें, जल में न बहाएँ या पत्ते के दोने उपयोग करें।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार